भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1210
उत्तर देने की तारीख 28जुलाई, 2025
6 श्रावण, 1947 (शक)

पंजाब में बुनियादी स्तर पर खेलों का विकास

1210. डॉ. अमर सिंह:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार इस बात से सहमत है कि ओलम्पिक में भारत के प्रदर्शन और पदकों की संख्या में वृद्धि करने के लिए बुनियादी स्तर पर खेलों के विकास, बुनियादी ढांचे में निवेश और खिलाड़ियों को व्यापक सहायता देने पर ध्यान केन्द्रित किए जाने की अत्यधिक आवश्यकता है;

(ख) यदि हां, तो प्रतिभाओं की शीघ्र पहचान, विशेष कोचिंग, विदेशी अनुभव, खेल विज्ञान सहायता और होनहार खिलाड़ियों के लिए वित्तीय सहायता जैसी योजनाओं सहित सरकार द्वारा प्रस्तावित या शुरू की गई पहलों का ब्यौरा क्या

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार के पास पंजाब में खेलों में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने और प्रोत्साहित करने के लिए कोई विशेष नीतिगत फोकस या लक्षित कार्यक्रम है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पंजाब को अधिक स्वर्ण पदक दिलाने में सहायता हेतु क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ग): जी, हाँ। सरकार ने देशभर में जमीनी स्तर सहित खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए, विभिन्न उपाय किए हैं। 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, खेलों के विकास और प्रोत्साहन की ज़िम्मेदारी मुख्य रूप से राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों की है। केंद्र सरकार केवल उनके प्रयासों में सहायता करती है। हालाँकि, यह मंत्रालय पंजाब सहित पूरे देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्कीमें चलाता है। इन स्कीमों में शामिल हैं:

i. खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम;
ii. राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता;

iii. अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद प्रोत्साहन;

iv. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार;

v. मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन;

vi. खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम;

vii. राष्ट्रीय खेल विकास निधि;

viii. भारतीय खेल प्राधिकरण **(**एसएआई**)** के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्र का संचालन; और

ix. राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र(एनसीएसएसआर)।

इन स्कीमों का विवरण मंत्रालय की वेबसाइट (https://yas.nic.in) पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

(घ) और (ङ): पंजाब राज्य सहित देश भर में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने और उन्हें खेलों में संलग्न करने के लिए खेलो इंडिया स्कीमके अंतर्गत कई पहल की गई हैं। उपरोक्त योजना के अंतर्गत, पंजाब राज्य में 29 खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) स्थापित किए गए हैं। पंजाब में हॉकी, मुक्केबाजी और एथलेटिक्स के लिए एक खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र भी है। इसके अतिरिक्त, पंजाब में 24 खेलो इंडिया अकादमियाँ हैं। इनका विवरण https://dashboard.kheloindia.gov.in पर देखा जा सकता है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) पटियाला में एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई)और पंजाब के मुस्तुआना साहिब, बादल और लुधियाना में तीन साई प्रशिक्षण केंद्र भी संचालित करता है।

खेलो इंडिया स्कीम के "खेल अवसंरचना का निर्माण एवं उन्नयन" घटक के अंतर्गत, देश भर में 328 खेल अवसंरचना परियोजनाओं (जिनमें पंजाब राज्य में 106.19 करोड़ रुपये की लागत से 12 परियोजनाएं शामिल हैं) को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं का विवरण https://mdsd.kheloindia.gov.in पर उपलब्ध है।

*****